कोल इंडिया लिमिटेड स्थापना दिवस के अवसर पर अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक का संदेश

ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

सांकतोड़िया, पो०– डिसरगढ़, जिला : पश्चिम बर्द्धमान

प्यारे साथियों,

कोल इंडिया लिमिटेड के 45वें स्थापना दिवस के इस अवसर पर मैं ईसीएल परिवार के सभी सदस्यों और शुभचिंतकों को शुभकामनाएँ देता हूँ और आप सभी की सुख-समृद्धि की कामना करता हूँ। साथ ही, मैं हाल ही में बीते दुर्गा पूजा, काली पूजा और दीपावली व आगामी छठ पूजा की शुभेच्छा देते हुए आप सभी के मंगल भविष्य की कामना करता हूँ।

साथियों, ध्यातत्व है कि यद्यपि इस वित्त-वर्ष की शुरुआत में हमने कोयला उत्पादन, प्रेषण तथा अधिभार विस्थापन में काफी हद तक सकारात्मक वृद्धि दर्ज कर ली थी; तथापि बाद के महीनों में कोयला उत्पादन तथा प्रेषण में काफी कमी आने के कारण यह सकारात्मक वृद्धि काफी हद तक घट गई और दुर्भाग्यवश सितंबर के महीने में सभी क्षेत्रों में हुई लगातार अति वर्षा के चलते खुली खदानों की उत्पादन संबंधी गतिविधियाँ पूरी तरह से ठप रहीं जिसके परिणामस्वरूप कोयला उत्पादन, प्रेषण तथा अधिभार विस्थापन की दर में भारी गिरावट देखने को मिली और हम सकारात्मक वृद्धि से सीधे नकारात्मक वृद्धि की ओर चले गए। वर्तमान समय में देश के सभी बिजली घरों में पिछले कुछ दिनों से कोयले की सामान्य आपूर्ति न हो पाने के कारण कोयले की माँग बढ़ गई है और यह हमारी जिम्मेवारी है कि हम इस वित्त-वर्ष के बचे हुए दिनों में कंधे से कंधा मिलाकर कुछ इस तरह परिश्रम करें कि कोयला उत्पादन तथा प्रेषण के क्षेत्र में हुई हानि को जल्द पूरा कर देश की ऊर्जा सुरक्षा को बरकरार रखने का सम्पूर्ण प्रयास करें। मुझे विश्वास है कि आप सभी की कड़ी मेहनत और मजबूत इरादों से हम न केवल इस वर्ष के निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति करेंगे बल्कि इसे पार करके दिखाएँगे।

यह काफी चिंताजनक है कि उत्पादन तथा प्रेषण संबंधी गतिविधियों में आई गिरावट के कारण कंपनी की आर्थिक स्थिति पर काफी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है और पिछले तीन महीनों से कंपनी निरंतर नकारात्मक आर्थिक परिस्थितियों को झेल रही है। ऐसे में, मैं, आप सभी का आह्वान करना चाहता हूँ कि आप अपनी क्रियात्मकता में गुणात्मक परिवर्तन लाएँ और कंपनी की आर्थिक स्थिति में सुधार की संभावनों को साकार करें। इस क्रम में, आपको जहाँ कहीं भी फिजूलखर्ची कम किए जाने की तनिक भी संभावना दिखे, आप अवश्य सहयोग करें और कंपनी के आर्थिक ढाँचे को सुदृढ़ करने में हमारा सहयोग करें। मैं यूनियन के प्रतिनिधियों से भी अनुरोध

करना चाहूँगा कि इस संदर्भ में आप अपने बहुमूल्य सुझाव साझा करें और इस प्रयास को सफलीभूत करने में अपना सहयोग दें।

कंपनी की उत्पादन संबंधी गतिविधियों में निरंतर वृद्धि के लिए और नवागत तकनीकों को आत्मसात करने के लिए प्रयास निरंतर जारी है। इस क्रम में, बंकोला क्षेत्र के अंतर्गत कुमारडीह–बी भूमिगत खदान के लिए कंटीन्यूअस माइनर की विभिन्न मशीनरी आ चुकी है और पांडवेश्वर क्षेत्र के अंतर्गत खोट्टाडीह भूमिगत खदान में भी कंटीन्यूअस माइनर लगाने की प्रक्रिया इस वर्ष के अंत तक पूरी हो जाने की उम्मीद है। खुली खदान की बात करें तो राजमहल परियोजना को 17 मिलियन टन प्रति वर्ष की उत्पादन क्षमता से आगे बढ़ाने के लिए खनन योजना बन चुकी है तथा सोनपुर बजारी परियोजना से 12 मिलियन टन प्रति वर्ष कोयला उत्पादन का लक्ष्य हासिल करने के लिए सीएचपी तथा साईडिंग का काम ज़ोर–शोर से चल रहा है। राजमहल क्षेत्र की हुर्रा–सी ग्रीनफील्ड परियोजना में कार्य हेतु आदेश भी जारी हो चुका है और बहुत जल्द वहाँ भी उत्पादन संबंधी गतिविधियों के शुरू हो जाने की आशा है।

आप सभी जानते हैं कि ईसीएल में मिशन मोड पर कई परियोजनाएँ यथा – सुदेश (SuDESHH - Sustainable Development of Environment, Safety, Health & Hygiene), सुदेश–मितवा (SuDESHH-MITWA), संजीबनी (SANJIBANI- Systemic Advancements, New Jobs, Integrated Business And New Initiatives), सुमित (SUMIT - Systematic Upgradation of Mining & Information Technology), मितवा (Maintenance Inspired Techniques and Work Agencies), इंद्रधनुष, धरोहर, जटायु, संबंध तथा 10Rs (i) Reuse, (ii) Refuse, (iii) Recycle, (iv) Repurpose, (v) Refill, (vi) Reinvent, (vii) Repair, (viii) Reduce, (ix) Redesign, (x) Refurbish – क्रियान्वित हैं जिनसे कंपनी की छवि को बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। मैं उन तमाम मिशन से जुड़े कर्मियों को उनके प्रयासों के लिए साधुवाद देते हुए यह अपेक्षा भी व्यक्त करता हूँ कि सभी क्षेत्रों में उन समस्त मिशन के अंतर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में वृद्धि होनी चाहिए ताकि कंपनी के अधिक से अधिक कर्मी उनसे जुड़कर लाभान्वित हो सकें। मैं इस क्षेत्र में आपके प्रयासों की सराहना करता हूँ और अपेक्षित संभावनाओं की तलाश की आकांक्षा भी व्यक्त करता हूँ। इसी क्रम में, पिछले दिनों 'स्वच्छता ही सेवा' शीर्ष के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रकार के

कार्यक्रमों के दौरान एक नये मिशन 'JAGGRAN' (Just Achieving Green Growth Regime Accelerated Nature) को प्रकाश में लाया गया है जिसका उद्देश्य प्रकृति की रक्षा करना है।

साथ ही, स्वच्छता विषयक पहल, खेलकूद में उत्कृष्ट प्रदर्शन, विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों के आयोजन के क्षेत्र में कंपनी की प्रतिबद्धता सामाजिक-सांस्कृतिक सरोकार को सत्यापित करते हैं। पिछले दिनों हमने कोल इंडिया लिमिटेड छात्रवृत्ति योजना का ऑनलाइन पोर्टल लॉन्च किया गया। मैं बताना चाहता हूँ कि कोल इंडिया लिमिटेड की सभी अनुषंगी कंपनियों में से ईसीएल ने यह कार्य सबसे पहले किया है। इसके अलावा स्वच्छता पखवाड़ा, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, अंत: कंपनी फुटबॉल, टेबल टेनिस, कैरम, ब्रिज, चेस और बैडमिंटन टूर्नामेंट जैसे विभिन्न खेल से जुड़े सफल आयोजन, आसनसोल फुटबॉल लीग में ईसीएल की फुटबॉल टीम की भागीदारी और अंतिम आठ में अपनी जगह बनाना जो आगे जाकर जिला स्तर पर खलेगी आदि कुछ ऐसे उदाहरण हैं जो उत्पादन-उत्पादकता से इतर हमारी कंपनी को विशिष्ट पहचान दिलाते हैं। मैं ऐसे आयोजनों में वृद्धि की आशा व्यक्त करते हुए इनसे जुड़े कर्मियों को बधाई देता हूँ।

आज के इस विशेष अवसर पर, ईसीएल द्वारा निरंतर अर्जित की जा रही कामयाबी में पूर्ण सहयोग के लिए मैं, कोयला मंत्रालय, कोल इंडिया लिमिटेड, श्रमिक संगठन के प्रतिनिधियों, पश्चिम बंगाल तथा झारखंड राज्य सरकार एवं उनके प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस प्रशासन, कंपनी के समस्त श्रमिकों, कर्मचारियों और अधिकारियों के साथ-साथ कंपनी के सभी अंशधारकों, उपभोक्ताओं, आपूर्तिकर्ताओं तथा शुभचिंतकों के प्रति आभार प्रकट करता हूँ तथा कंपनी के प्रत्येक श्रमिक, कर्मचारी एवं अधिकारी का आह्वान करता हूँ कि आप आगे आकर कंपनी को उत्कर्ष के शिखर पर पहुँचाने में अपना योगदान दें।

आपका शुभाकांक्षी,

01.11.2019

(प्रेम सागर मिश्रा)

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के जनसम्पर्क विभाग द्वारा प्रकाशित